वानिकी समाचार

भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

अक्टूबर 2020

वर्ष 12 अंक 10

गांधी जयंती

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
गांधी जयंती	01
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
प्रदर्शनी	02
परामर्श	03
पेटेन्ट	03
कार्यशालाएं / वेबिनार / बैठकें	03
प्रशिक्षण	06
समझौता ज्ञापन	07
प्रकृति कार्यक्रम	07
स्वच्छ भारत पहल	08
आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी का प्रचार	08
विविध	08
मानव संसाधन समाचार	08

गांधी जयंती

भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थानों में 2 अक्टूबर 2020 को गांधी जयंती मनाई गई एवं इस अवसर पर "स्वच्छ भारत मिशन" पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- *सैंटलम एल्बम* एल (चंदनकाष्ठ वृक्ष) एक अर्ध जड़ परजीवी है और इसे पनपने के लिए एक पोषी प्रजाति की आवश्कयता होती है। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं–21 (जैव–उर्वरक) के तहत रोपणी परिस्थितियों में फ्रैंकिया (एक सहजीवी नाइट्रोजन स्थिरीकरण जीवाणु) संरोपण के साथ *कैजूरीना इक्वीस्टीफोलिया* के पोषी प्रजाति के रूप में *एस. एल्बम* पर एक परीक्षण संचालित किया गया। दो महीने के पर्यवेक्षण के पश्चात यह पाया गया कि *एस. एल्बम* के नवोद्भिदों ने बेहतर वृद्धि (45.3 से.मी.) तना परिधि (3.00 मि.मी.) एवं पत्तियों की संख्या (26) प्रदर्शित किया। चूषकांगों की संख्या में भी आधिक्य (7 संख्याएं) प्रदर्शित हुआ। फ्रैंकिया की अनुपस्थिति में पर *सी. इक्वीस्टीफोलिया* के साथ *एस. एल्बम* रोपणियों ने चूषकांगों की बेहद कम (2 संख्या) तथा कम वृद्धि प्रदर्शित की। यह भी देखा गया कि रोपणी परिस्थितियों में पोषी प्रजातियों की अनुपस्थिति में रोपणियों ने बेहद खराब निष्पादन किया। यह अध्ययन सुस्पष्ट करता है कि रोपणी परिस्थितियों में बेहतर वृद्धि के लिए *एस. एल्बम* को एक अनुकूल पोषी प्रजाति के साथ लाभदायक सूक्ष्मजीव की आवश्यकता होती है।
- एन्टोमोपैथोजेनिक महत्व रखने वाले कृषि एवं वानिकी महत्ता के नाशी कीटों के प्रबंधन हेतु पश्चिमी घाट की महत्वपूर्ण स्थानीय उष्णकटिबंधीय वृक्ष प्रजातियों यथा *टैक्टोना ग्रैंडिस, मेलिना अरबोरिया, ऐलन्थस एक्सेलसा* और *टेरोकार्पस सेन्टालिनस* से अंतःपादपीय कवक पृथक किया गया और काइटोसैन नैनोकणों का प्रयोग करते हुए संपुटित किया गया।
- सूलाकाल, पोलाची, तमिलनाडु में मेलिना आधारित वानिकी मॉडल का प्रदर्शन स्थापित किया। वृद्धि श्रेष्ठता के लिए *मेलिना आर्बोरिया* के कृंतकीय परीक्षण का मूल्यांकन किया गया और कृंतकीय प्रवर्धन परीक्षण की स्थापना हेतु उच्च उत्पादकता कृंतकों को चिन्हित किया गया।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- *शिजोस्टाइचम डूलुआ* पर उतक संवर्धन अध्ययन किए गए। केंद्रीय अनुभाग को सूक्ष्म–प्रसार हेतु प्रयोग किया गया। सर्वश्रेष्ठ कक्षीय कलिका विच्छेद 5.0 मिग्रा./ली. बीएपी के साथ संपूरित एमएस माध्यम पर प्राप्त हुआ। 3–4 सप्ताह पश्चात, प्रचुरोद्भवित प्ररोहों को ताजा साइटोकिनिन से संपूरित एमएस माध्यम पर अनुसंवर्धित किया गया। 2.5 मिग्रा./ली. बीएपी से संपूरित एमएस माध्यम पर पात्रे प्ररोह गुणन प्राप्त किया गया। यह पर्यवेक्षित किया गया कि यह बांस पात्रे मूलन के लिए अत्यन्त दुःसाध्य है।

प्रदर्शनी

संस्थान	आयोजित	अवधि	स्थान
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर			
वन अनुसंधान केंद्र आजीविका विस्तार, अगरतला ने रोटरी क्लब अगरतला तथा समाज शक्ति सोसाइटी, अगरतला की सहभागिता में	हस्तशिल्प प्रदर्शनी	17 अक्टूबर 2020	सिटी सेंटर, अगरतला

वन अनुसंधान केंद्र आजीविका विस्तार, अगरतला ने रोटरी क्लब अगरतला तथा समाज शक्ति सोसाइटी, अगरतला के साथ प्रदर्शनी का आयोजन किया।

परामर्श

भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में दस परामर्श परियोजनाओं पर कार्य कर रही है, जो टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि., हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लि., कर्नाटक राज्य आधिकारिक प्राधिकारी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली, कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता, एनटीपीसी लि., नोएडा, एनएमडीसी लि. हैदराबाद, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि. कोठागुदम, छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर, वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर द्वारा प्रदान किए गए हैं।

पेटेन्ट

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को 'निर्वात भट्टी' के आविष्कार हेतु 29 जून 2012 से 20 वर्षों के लिए पेटेन्ट अधिनियम, 1970 के प्रावधानों के अनुरूप पेटेन्ट प्रदान किया गया है। यह पेटेन्ट पूर्ण हो चुकी योजना परियोजना नामतः 'भारतीय काष्ठ को दक्षतापूर्वक एवं तेजी से सुखाने हेतु निर्वात आधारित काष्ठ शुष्क, की संरचना एवं निष्पादन अध्ययन' का परिणाम है।

कार्यशालाएं / वेबिनार / बैठकें

क्र. सं.	विषय	अवधि	हितधारक
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	आजीविका जनन हेतु अकाष्ठ वन उत्पादों का संवहनीय विदोहन एवं उपयोजन	14 अक्टूबर 2020	किसान, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह, विद्यार्थी, अन्य संस्थानों के अधिकारी
2.	REDD+ हेतु सुरक्षा सूचना प्रणाली	15 अक्टूबर 2020	किसान, स्वयं सहायता समूह, अकादमिक संस्थान, गैर सरकारी संगठन, संयुक्त वन प्रबंधन
3.	क्षेत्रीय किस्म परीक्षण समिति	20 अक्टूबर 2020	राज्य वन विभाग, अनुसंधान संस्थान, किसान
4.	वानिकी उद्यम के माध्यम से आजीविकी सुरक्षा वृद्धि पर प्रौद्योगिकी प्रसार का प्रभाव	20 अक्टूबर 2020	किसान, अन्य संस्थानों के अधिकारी, विद्यार्थी
5.	वानिकी अनुसंधान हेतु उन्नत अभिकलनात्मक उपकरणों का अनुप्रयोग	21 अक्टूबर 2020	भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के एवं अन्य वन्य जीव संस्थानों के अधिकारी, इं.गां.रा.व.अ., सीएएसएफओएस एवं आई आई आर एस.
6.	जैव मिश्रितः काष्ठ एवं काष्ठ आधारित सामग्री	21 अक्टूबर 2020	उद्योग, गैर सरकारी संगठन, विद्यार्थी

आजीविका जनन हेतु अकाष्ठ वन उत्पादों का संवहनीय विदोहन एवं उपयोजन पर वेबीनार

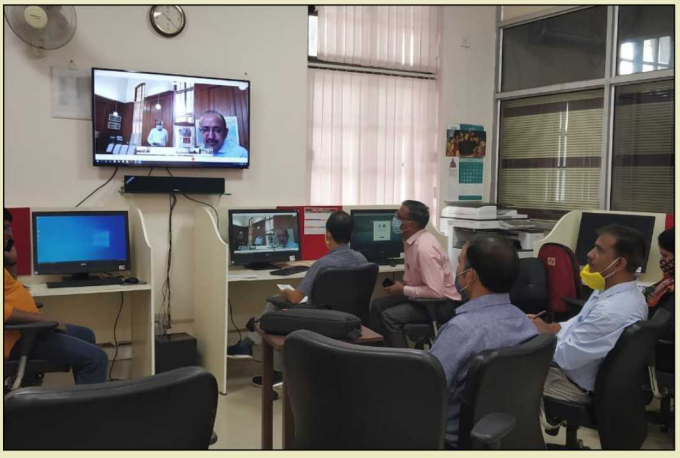

REDD+ हेतु सुरक्षा सूचना प्रणाली पर वेबीनार

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

7.	अनुसंधान सलाहकार समूह (आरएजी)	15 अक्टूबर 2020	एसएफआरआई के सदस्य, टीएफडी चेन्नई, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर, केएफआरआई, पीची, केरल; जैवप्रौद्योगिकी विभाग, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर, वन मुख्यालय, तिरूवनंतपुरम्, राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, चेन्नई, तथा व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बत्तूर के वैज्ञानिक एवं अधिकारी इत्यादि।

व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बत्तूर में अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

8.	वृक्ष प्रजातियों का कृंतकीय प्रसार	7 अक्टूबर 2020	राज्य वन विभागों से प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों सहित अन्य संस्थानों के अनुसंधानकर्ता, राज्य वन अनुसंधान संस्थान कृषि विश्वविद्यालय

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

9.	अनुसंधान सलाहकार समूह	8 अक्टूबर 2020	—
10.	वन विज्ञान केंद्र बीकानेर के अंतर्गत मुकाम में एक पर्यावरण जागरूकता केंद्र स्थापित करने हेतु बैठक	10 अक्टूबर 2020	अध्यक्ष, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

11.	REDD+ हेतु सुरक्षा सूचना प्रणाली	22 अक्टूबर 2020	उत्तर पूर्व भारत के समुदाय एवं वन विभाग

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

12.	भारत में REDD+ क्रियान्वयन हेतु सुरक्षा सूचना प्रणाली	9 अक्टूबर 2020	हि.व.अ.सं. के वरिष्ठ वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक एवं अन्य अनुसंधान सहायक कार्मिक और विभिन्न संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी/प्रतिनिधि
13.	भा.वा.अ.शि.प.– क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन	28 अक्टूबर 2020	भा.वा.अ.शि.प., व.अ.सं. और हि.व.अ.सं. के अधिकारी/प्रतिनिधि, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र तथा लद्दाख के राज्य वन विभाग

भारत में REDD+ क्रियान्वयन हेतु सुरक्षा सूचना प्रणाली के लिए परामर्श बैठक

भा.वा.अ.शि.प.–क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

वन उत्पादकता संस्थान, राँची

14.	आजीविका जनन हेतु अकाष्ठ वन उत्पादों का संवहनीय विदोहन एवं उपयोजन	14 अक्टूबर 2020	हितधारक – राज्य वन विभाग, सरकारी संगठन, विश्वविद्यालय एवं अन्य अकादमिक संस्थान, किसान, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह एवं हर्बल उद्योग
15.	अनुसंधान सलाहकार समूह की XXIवीं बैठक	20 अक्टूबर 2020	झारखंड बिहार, पश्चिम बंगाल और बाह्य निधिकरण अभिकरणों के हितधारक,

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

16.	अनुसंधान सलाहकार समूह (आरएजी)	14 अक्टूबर 2020	–
17.	औषधीय पादप और कोविड–19 महामारी में उनका औचित्य	20 अक्टूबर 2020	अनुसंधान वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता और किसान
18.	नाशी–कीटों के प्रबंधन हेतु वृक्ष जनित तैल बीजों के अर्क एवं वन्य पादपों के उतकों से जैव कीटनाशी उत्पादों/सूत्रीकरण का विकास	20 अक्टूबर 2020	–

वन अनुसंधान केन्द्र – आजीविका एवं विस्तार, अगरतला			
19.	वानिकी उद्यमों के माध्यम से आजीविका सुरक्षा की वृद्धि पर प्रौद्योगिकी प्रसार का प्रभाव	29 अक्टूबर 2020	पूरे देश से 500 हिस्सेदार शामिल हुए

प्रशिक्षण

क्र. सं.	विषय	अवधि	हितधारक
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर			
1.	वानिकी में बुनियादी सांख्यिकीय प्रविधियां	5 एवं 6 अक्टूबर 2020	महिला वैज्ञानिक
2.	जलवायु परिवर्तनःचुनौतियां एवं अनुक्रिया	5 से 9 अक्टूबर 2020	महिला वैज्ञानिक
काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू			
3.	समेकित पीड़क एवं रोग प्रबंधन	22 अक्टूबर 2020	वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर			
4.	पीरीफॉरमोसपोरा इंडिका पर फसल उत्पादकता वृद्धि हेतु जैव उर्वरकों का उपयोग	29 अक्टूबर 2020	ग्रामीण महिला किसान
वन उत्पादकता संस्थान, राँची			
5.	कंप्यूटर अनुप्रयोग	7 से 9 अक्टूबर 2020	भा.वा.अ.शि.प. के प्रशासनिक कार्मिक

कंप्यूटर अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद			
6.	वैज्ञानिकों हेतु वानिकी अनुसंधान में साख्यिकीय प्रविधियां	5 और 6 अक्टूबर 2020	वैज्ञानिक

वन अनुसंधान केन्द्र आजीविका एवं विस्तार, अगरतला

7.	हरित कौशल विकास कार्यक्रम – प्लास्टिक मुक्त झाड़ू के अभिकल्पन और उत्पादन हेतु प्रक्रिया प्रदर्शन	8 अक्टूबर 2020	नवोदित बांस कारीगर
8.	समुदाय उद्यम विकास हेतु बांस उत्पादों का मूल्य वर्धन	17 अक्टूबर 2020	समाज शक्ति सोसाईटी

प्लास्टिक मुक्त झाड़ू के अभिकल्पन और उत्पादन पर प्रशिक्षण

समुदाय उद्यम विकास हेतु बांस उत्पादों के मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण

समझौता ज्ञापन

- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) और सीएसआईआर – नॉर्थ ईस्टर्न इस्टीच्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनआईईएसटी) जोरहाट के मध्य 26 अक्टूबर 2020 को आपसी सहमति के क्षेत्रों में साथ काम करने तथा साझा रूचि की परियोजनाओं के संयुक्त शोध एवं विकास हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) परियोजना के तहत व.आ.वृ.प्र.सं. ने मुसिरी इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी–सीएटी) के साथ 8 अक्टूबर 2020 को बांस प्रदर्शन प्लॉट्स विकसित करने हेतु उनके भूमि संसाधन उपयोजन हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट और एनआईईएसटी जोरहाट के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर और मुसिरी इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी–सीएटी) के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए

प्रकृति कार्यक्रम

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने प्रकृति कार्यक्रम के तहत पीएसजीआर कृष्णामल्ल कॉलेज फॉर वूमेन, कोयम्बत्तूर (वनस्पति विज्ञान विभाग) के लिए 17 अक्टूबर 2020 को एक वेबीनार का आयोजन किया। डॉ. सी. कुन्हीकन्नन, निदेशक, व.आ.वृ.प्र.सं. ने "भारत की पादप विविधता" पर एक व्याख्यान दिया।

स्वच्छ भारत पहल

"तमिलनाडु के आदिवासियों में आजीविका सहायता हेतु अपशिष्ट से खाद का विकास – स्वच्छ भारत मिशन का एक हिस्सा" पर एनआरडीएमएस (डीएसटी–8) प्रायोजित परियोजना के एक भाग के तहत व.आ.वृ.प्र.सं.,कोयम्बत्तूर में एक उत्पाद बिक्री पटल स्थापित किया गया।

उत्पाद बिक्री पटल

आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी का प्रचार

कार्यक्रम का विषय	चौनल	दिनांक
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
किसानो की आय बढ़ाने में बांस की भूमिका	आकाशवाणी	20 अक्टूबर 2020

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. आई.पी. बोरा, वैज्ञानिकी–'सी' व.व.अ.सं., जोरहाट	31.10.2020
श्रीमती जिनती बरुआ बोरठाकुर, स.मु.त.अ., व.व.अ.सं., जोरहाट	31.10.2020

विविध

संस्थान	विशेष दिवस	दिनांक
भा.वा.अ.शि.प. देहरादून, व.अ.सं., देहरादून, व.व.अ.सं., जोरहाट, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू, व.उ.सं., रांची, व.जै.सं., हैदराबाद	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर	वन्यजीव सप्ताह 2020	7 अक्टूबर 2020

व.उ.सं., रांची में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

संरक्षकः

श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।